समुद्री एनीमोन का विरंजन

स्रोत: द हिंदू

लक्षद्वीप द्वीप समूह में **समुद्री एनीमोन** (Actiniaria) का अध्ययन करने वाले शोधकर्त्ताओं द्वारा पहली बार **अगत्ती द्वीप** से दूर बड़े पैमाने पर एनीमोन में विरंजन की घटना देखी गई है।

- **समुद्री एनीमोन विरंजन** उस प्रक्रिया को संदर्भित करती है जिसमें समुद्री एनीमोन अपने जीवंत रंग खो देते हैं और**सहजीवी प्रकाश संश्लेषक शैवाल के नुकसान** के कारण श्वेत अथवा पीले हो जाते हैं।
    - यह **जल के बढ़ते तापमान, प्रदूषण** अथवा **महासागर रसायन विज्ञान में परिवर्तन** जैसे पर्यावरणीय तनावों के कारण हो सकता है।
    - विरंजन के कारण समुद्री एनीमोन अपनी ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत खो देते हैं, जिससे वे बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं जिस कारण उनकी मृत्यु दर में वृद्धि होती है।

- **समुद्री एनीमोन** एक जलीय जीव है जो अपने कोमल शरीर और डंक मारने की विशिष्ट क्षमता से पहचाने जाते है।
    - वे निडारिया फाइलम परिवार का हिस्सा हैं और समुद्र के पानी में विशेषकर **तटीय उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में पाए जाते हैं।
    - वे प्रवाल और चट्टानों के करीबी सहयोगी हैं। वे **क्लाउनफिश** के साथ सहजीवी संबंध भी बनाते हैं, जो क्लाउनफिश के भोजन के बदले में उसे सुरक्षा प्रदान करते हैं।
    - समुद्री एनीमोन **बेंटिक पारिस्थितिकि तंत्र** (जल निकाय में सबसे निचला पारिस्थितिकि क्षेत्र और आमतौर पर समुद्र तल पर तलछट शामिल) में महत्त्वपूर्ण जैव भू-रासायनिक भूमिका निभाते हैं।
- **अगत्ती द्वीप** कोच्चि (केरल) से 459 किमी. (248 समुद्री मील) की दूरी पर है और कावारत्ती द्वीप के पश्चिम में स्थित है।

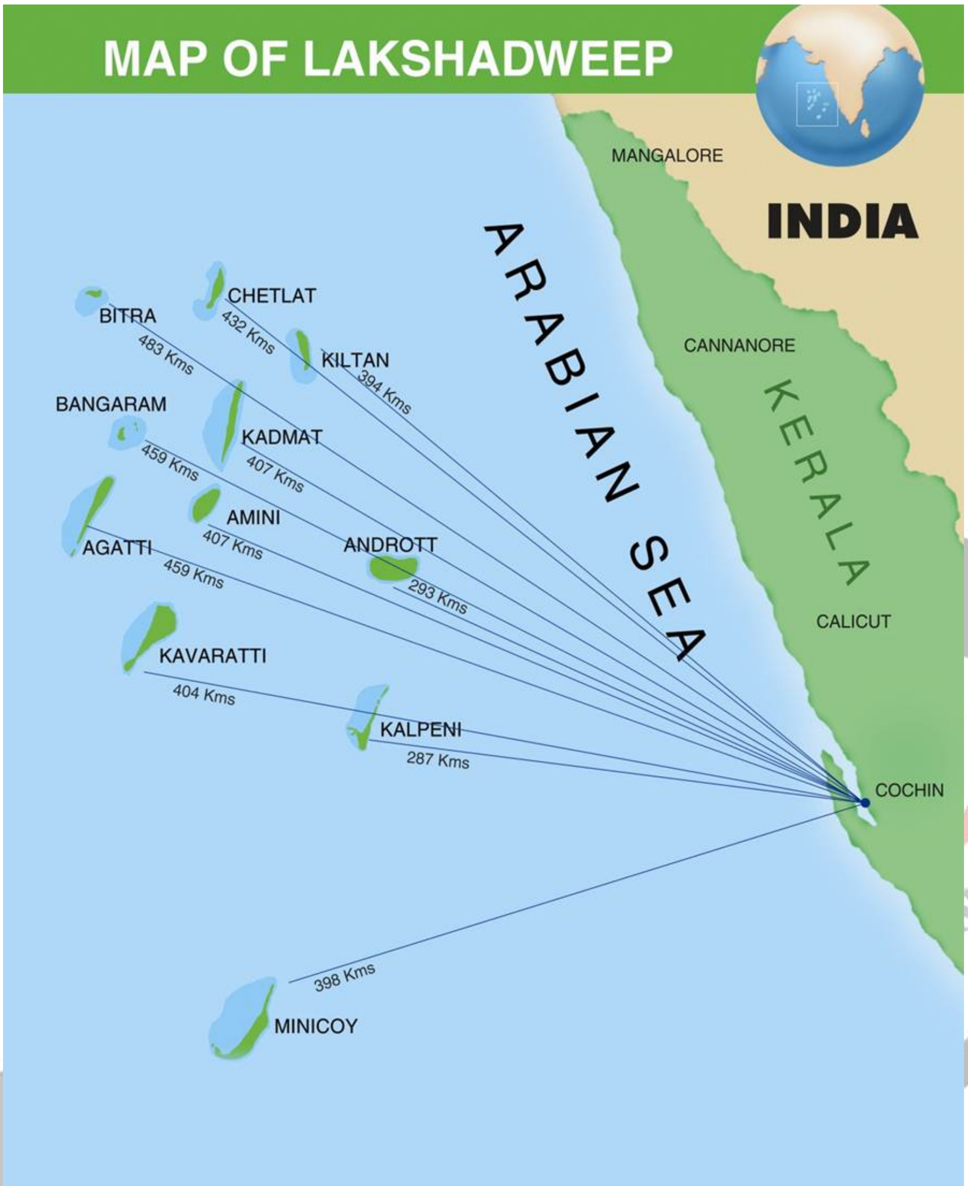

और पढ़े: [लक्षद्वीप का अगत्ती द्वीप]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bleaching-of-sea-anemone